International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 03 March- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

भारत में सार्वजनिक पुस्तकालय : एक परिदृश्य

Dr. Minakshi
Deenbandh Chotu Ram University of Science & Technology (DCRUST) Murthal

e-mail : minakshiantil90@gmail.com

सार

भारत में पुस्तकालय नेटवर्क बहुत ही पुराना एवं व्यापक स्तर का है। भारत में पुस्तकालय विकास एवं प्रारंभ का श्रेय बड़ौदा नरेश सियाजीरावगायकवाड़ द्वितीय को जाता है। इस पत्रिका में हम पुस्तकालय से संबंधित शुरूआत तथा आंदोलन के साथ–साथ जो विकास की गति समयानुसार अग्रसर रही है। उसका विवरण करेगें।

भारतीय पुस्तकालय संघ तथा उनके उद्भव वर्ष को उद्धृत करेंगे। भारतीय पुस्तकालय के विकास में भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के योगदान पर भी प्रकाश डालेंगे।

मुख्य शब्द : सार्वजनिक पुस्ताकालय, पुस्तकालय आंदोलन

सार्वजनिक पुस्तकालय विकास

भारत में सार्वजनिक पुस्तकालय के उद्भव की शुरूआत सर्वप्रथम कलकत्ता से मानी जाती है। कलकत्ता में डॉ0 एस. आर. रगानयन की अध्यक्षता में सन् 1933 में आयोजन हुआ था तत्पश्चात् सन् 1934 में सार्वजनिक पुस्तकालय की कांफ्रेस मद्रास में आयोजित की गई थी। इस प्रकार से भारत में पुस्तकालय के क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्ताकालय के रूप में शुरूआत हुई थी। यहीं से सार्वजनिक पुस्तकालय के क्षेत्र में नींव का संचार शुरू हो गया था।

परिभाषा

..... के अनुसार, सार्वजनिक पुस्तकालय जनता का, जनता के द्वारा तथा जनता के लिए खोला गया पुस्तकालय हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 03 March- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

युनेस्कों के अनुसार, "सार्वजनिक पुस्तकालय एव ऐसा सुचना केन्द्र है जो सभी प्रकार की ज्ञान और सुचनाओं को उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध कराता है।

एक सार्वजनिक पुस्तकालय सभी को समान दृष्टि के साथ बिना किसी लिंग, जाति, रंग, राष्ट्र और भाषा के भेदभाव के प्रदान करता है।

सार्वजनिक पुस्तकालय के क्षेत्र में युनेस्कों का योगदान

UNESCO ने सार्वजनिक पुस्तकालय घोषणापत्र सन् 1949 में किया था परन्तु यह सभी देशों में सहमति न बनने के कारण इसमें 1972 में संशोधन करके दोबारा प्रस्तुत किया गया अैर अंततः 1994 में सर्वसम्मति से इसे सभी सदस्य राष्ट्रों ने स्वीकार कर लिया था।

विवरण :

1949	सार्वजनिक पुस्ताकलय घोषणा पत्र
1972	संशोधन के साथ पुनः पेश
1994	सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

विश्व में पहला सार्वजनिक पुस्तकालय नवम्बर, 1731 में बेंसामिन फ्रेंकलिन ने पुस्तकालय संघ फिलाडेल्किया नाम से शुरू किया था।

भारत में सार्वजनिक पुस्तकालय तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय युनेस्कों की सहायता से भारत के सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम के रूप में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् से प्रारंभ हुआ जो अब तक 19 राज्यों द्वारा पारित किया जा चुका है जो इस प्रकार है–

क्र. सं0	राज्य	वर्ष	पुस्तकालय कर
1	तमिलनाडू	1948	10%
2	आन्ध्रप्रदेश	1960	8%
3	कर्नाटक	1965	6%
4.	महाराष्ट्र	1967	Nil

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 03 March- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

5.	पश्चिम बंगाल	1979	Nil
6.	मणिपुर	1988	No
7.	हरियाणा	1989	No
8.	केरल	1989	No
9.	गोवा	1993	No
10.	मिजोरम	1993	No
11.	गुजरात	2001	No
12.	उड़ीसा	2002	No
13.	उतराखण्ड	2005	No
14.	राजस्थान	2006	No
15.	उत्तर प्रदेश	2006	No
16.	लक्षद्वीप	2007	No
17.	बिहार	2008	No
18.	छतीसगढ़	2008	No
19.	अरुणाचल प्रदेश	2009	No

अब वर्तमान में इस प्रकार से भारत के राज्यों में अधिनियम बन चुके हैं, जिनके तरह राज्य सरकारें पुस्तकालयों से संबंधित नियम व शर्तें तय करते हैं।

भारत व अन्य देशों के राष्ट्रीय पुस्तकालय :

क्र. सं0	**नाम**	**स्थापना वर्ष**	**देश**
1.	भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता	1948	भारत
2.	लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस	1800	USA
3.	Bibliothec Nationale	1440	France
4.	State Lemin Library, MASCO	1862	रूस

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 03 March- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

5.	National Diet Library	1948	जापान
6.	British Museum	1877	ब्रिटेन
7.	National Library, Germany	1912	जर्मनी

किसी देश का राष्ट्रीय पुस्तकालय को भी सार्वजनिक पुस्तकालय की श्रेणी में रखा जाता है।

सार्वजनिक पुस्तकालय की विशेषताएं

1. सार्वजनिक पुस्तकालय राष्ट्र की धरोहर होती है।
2. राष्ट्र के ज्ञान भण्डार का संरक्षण सार्वजनिक पुस्तकालय के माध्यम से रखा जाता है।
3. सार्वजनिक पुस्तकालय सम्पूर्ण राष्ट्र की जनता हेतु होता है।
4. सार्वजनिक पुस्तकालय समृद्ध राष्ट्र की पहचान होता है।
5. यह सभी के लिए सुलभ, सरल व पहुँच में होता है।

सार्वजनिक पुस्तकालय की विशेषताएं

1. सार्वजनिक पुस्तकाल राष्ट्र की धरोहर होती है।
2. राष्ट्र के ज्ञान भण्डार का संरक्षण सार्वजनिक पुस्तकालय के माध्यम से रखा जाता है।
3. सार्वजनिक पुस्तकालय सम्पूर्ण राष्ट्र की जनता हेतु होता है।
4. सार्वजनिक पुस्तकालय समृद्ध राष्ट्र की पहचान होता है।
5. यह सभी के लिए सुलभ, सरल व पहुँच में होता है।

सार्वजनिक पुस्तकालय के दोष

1. सार्वजनिक पुस्तकालय किसी भी राष्ट्र के लिए किसी आमदनी अर्थात् लाभ का स्त्रोत नहीं होता इसमें राष्ट्र को निवेश करते रहना होता है।
2. सार्वजनिक पुस्तकालय में जनता से कोई खर्चा लेकर नहीं चलाया जाता अपितु स्वेच्छा से दान दे सकते है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 03 March- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

3. यह सरकार के लिए निरंतर खर्च करते रहने वाला निकाय है।
4. यह सेवार्थ होता है। इसलिए सरकार को सेवा भाव में इसमें खर्च करते रहना होता है।

उपरिलिखित विवरणों से स्पष्ट होता है कि सार्वजनिक पुस्तकालय किसी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होती है और यह राष्ट्र की तरक्की का प्रतीक होता है। इसके साथ–साथ इसमें सरकार केवल खर्च ही करती है। इसके आमदनी का स्त्रोत नही बनता है। अतः सार्वजनिक पुस्तकालय किसी भी राष्ट्र को सर्वोत्तम उत्कृष्ट संपत्ति होती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. www.public library in India.
2. www.international public library.co.in
3. पुस्कालय एवं सूचना विज्ञान के अवधारणात्मक एवं वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण
4. http:public library manifesto
5. अकादमिक एवं सार्वजनिक पुस्तकालय पाठयक्रम।
6. www.unescopublic library.com
7. http:Indiapubliclibrary detail.co.in